संस्कृत साधना भाग-4

प्रथमः पाठः

वन्दना (Prayer)

हिंदी अनुवाद

संसार-दुःखानि ..... सादरमानतोऽहम्।।

अनुवाद—संसार के दु:खों को नष्ट करनेवाली, विज्ञान की वाणी को प्रदान करने वाली, सूर्य के समान वाली वाणी की देवी सरस्वती को मैं सादर प्रणाम करता हूँ।

करेदधानां .....सादरमानतोऽहम्।।

अनुवाद—हाथों में स्फटिकाक्ष (सूर्यकांत मणि वाली) माला को और भुजाओं में संपूर्ण कल्याणकारी सिद्ध माला को धारण करने वाली, वैसे मुख में आशीर्वाद को माला (वचन) को धारण करने वाली उस सरस्वती को मैं सादर प्रणाम करता हूँ।

अभ्यासः

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) विज्ञानवाणीं **विनिवेशयन्तीम्।**
(ख) **वागीश्वरीं** सूर्यसमप्रकाशम्।
(ग) करदेधानां **स्फटिकाक्षमालाम्।**
(घ) भुजे च सर्वां **शुभसिद्धमालाम्।**
(ङ) **तथा मुखे तां** वरदानमालाम्।

2. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) संसार के दु:खों को नष्ट करने वाली।
(ख) विज्ञान की वाणी को प्रदान करने वाली।
(ग) हाथों में स्फटिकाक्ष (सूर्यकांत मणि) की माला धारण करने वाली।
(घ) संपूर्ण कल्याणकारी सिद्ध माला को धारण करने वाली।
(ङ) मैं सरस्वती को सादर प्रणाम करता हूँ।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए—

उत्तर–

	शब्दः	**अर्थः**
(क)	विज्ञानवाणीम्	**विज्ञान की वाणी**
(ख)	सूर्यसमप्रकाशम्	**सूर्य के समान प्रकाश वाली**
(ग)	सरस्वतीम्	**सरस्वती को**
(घ)	विनाशयन्तीम्	**नष्ट करने वाली**

4. पाठ में दी गई वंदना को कंठस्थ कीजिए।

उत्तर– छात्र स्वयं करें।

द्वितीयः पाठः

प्रभातवेला (Morning Time)

हिन्दी अनुवाद

अतीतायां ..... च लभन्ते।

अनुवाद—रात्रि की समाप्ति पर प्रभातवेला (सुबह) आती है। प्रात:कालिक सौंदर्य बहुत ही रमणीय होता है। प्रात:काल ब्रह्ममुहूर्त की वेला में चार बजे से आरंभ होता है। सूर्योदय तक ही प्रभातवेला कही जाती है। यह वेला चौबीस घंटों में सर्वश्रेष्ठ और सबसे उत्तम है।

प्रभातवेला में प्रकृति की शोभा भी बहुत मनोहारी होती है। सूर्योदय के समय में आकाश का लाल बिंब (सूर्य का लाल प्रकाश) सभी लोगों के मनों को हरता है और दूसरा सोकर उठे हुए पक्षी अपनी चहचहाहट से शांत भूमंडल को संगीतमय करते हैं। वनों में, बगीचों में और नदियों के तटों पर शीतल, मंद और सुगंधित हवा बहती है। प्रभातवेला में शुद्ध वायु में घूमने से स्वास्थ्य बढ़ता है। इसलिए बुद्धिमान पुरुष, स्त्रियाँ और बच्चे प्रात: घूमने के लिए जाते हैं और युवा व्यायाम करते हैं। शक्ति और स्वास्थ्य प्राप्त करते हैं।

प्रातःकाले ..... प्रवर्तितव्यम्।

अनुवाद—प्रात:काल वृक्षों की हरियाली और फूलों की खुशबू घूमते हुए लोगों की आँखों और मन को प्रसन्न करती है। ब्रह्ममुहूर्त में विद्या के व्यसनी विद्यार्थी उठकर विद्या को प्राप्त करते हैं अर्थात् पढ़ते हैं। पढ़ाएँ हुए पाठों का अभ्यास करते हैं और बहुत-से विषयों को कंठस्थ करते हैं।

इस प्रकार प्रभातवेला में प्रसन्न सभी लोग अपने-अपने कार्यों में संलग्न दिखाई देते हैं। प्रात:कालीन वायु से प्राप्त शक्ति वाले पुरुष सुबह से शाम तक स्वस्थ मन से और शरीर से कार्य करते हैं और थकान महसूस नहीं करते हैं।

इसलिए हमें हमेशा सूर्योदय से पहले ही उठना चाहिए और बागादि में घूमकर घर को आना चाहिए। इसके बाद स्नानादि से निवृत्त होकर विद्या के अभ्यास में अथवा अपने और कार्यों में लगना चाहिए।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) प्रातःकालः ब्रह्ममुहूर्तवेलायां चतुर्वादन समयात् आरभते।

(ख) अस्माभिः सदैव सूर्योदयात् पूर्वमेव उत्थातव्यम्।

(ग) ब्रह्ममुहूर्ते विद्यार्थिनः विद्याभ्यासं कुर्वन्ति। ते पाठितानां पाठानाम् अभ्यासं कुर्वन्ति बहून विषयान् च कण्ठीकुर्वन्ति।

(घ) प्रभातवेलायां पक्षिणः मधुरेण कलरवेण शान्तं भूमण्डलं संगीतमयं कुर्वन्ति।

(ङ) ओषजनवायुना लब्धशक्तयः जनाः श्रान्तिं न अनुभवन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) प्रातःकालिकी **सुषमा** अतीव **रमणीया** भवति।

(ख) सूर्योदय यावत् **प्रभातवेला** एव उच्यते।

(ग) प्रभातवेलायां **प्रकृतेः** शोभा अपि अति मनोहारिणी भवति।

(घ) युवानश्च **व्यायामं** कुर्वन्ति शक्तिं **स्वास्थ्यं** च लभन्ते।

(ङ) अस्माभिः सदैव **सूर्योदयात्** पूर्वमेव उत्थातव्यम्।

3. निम्नलिखित विपरीतार्थक शब्दों के जोड़े बनाइए–

उत्तर–

रजनी	**अहन्**
प्रातः	**संध्या**
सुगन्धः	**दुर्गन्धः**
उत्तमः	**अधमः**
मुदिताः	**दुःखिताः**
अथ	**इति**

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) प्रातः कालिक सौन्दर्य बहुत ही रमणीय होता है।

(ख) सूर्योदय तक ही प्रभातवेला कही जाती है।

(ग) प्रभातवेला में प्रकृति की शोभा भी बहुत मनोहारी होती है।

(घ) प्रभातवेला में शुद्ध वायु में घूमने से स्वास्थ्य बढ़ता है।

(ङ) हमें हमेशा सूर्योदय से पहले ही उठना चाहिए।

5. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके संस्कृत में वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) सुषमा—पूर्णचन्द्रोदये रात्रौ उपवनानां **सुषमा** दर्शनीया भवति।

(ख) रमणीया—प्रातःकाले प्रकृतिः **रमणीया** भवति।

(ग) सूर्योदयः—**सूर्योदयः** पूर्वदिशि उदेति।

(घ) प्रभातवेला—चतुर्विंशतिः होरासु सर्वश्रेष्ठा अस्ति **प्रभातवेला**।

(ङ) परिभ्रम्य—प्रभातवेलायां जनाः उद्यानादिषु **परिभ्रम्य** आगच्छन्ति।

तृतीयः पाठः

लोकमान्य तिलकः (Lok Manaya Tilak)

हिन्दी अनुवाद

लोकमान्य ..... आसीत्।

अनुवाद—लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म महाराष्ट्र में रत्नागिरि नामक स्थान में हुआ। तिलक का जीवन अत्यंत सात्विक था। उनका पारिवारिक जीवन भारतीय दर्शन के अनुकूल था। तिलक स्वतंत्रता के प्रसिद्ध योद्धा थे। वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान भी थे। वे निर्भीक पत्रकार और ओजस्वी वक्ता थे।

सः निजे ..... स्त्रोतो जातः।

अनुवाद—उन्होंने अपने केसरी नामक अखबार में क्रांतिकारियों के कार्यों का अभिनंदन और अंग्रेज शासकों की कटु आलोचना की। इस कारण अंग्रेज शासकों ने उनको मांडल जेल में बंदी बना लिया। वहाँ उन्होंने अपने समय का सदुपयोग अध्ययन और लेखन में किया। वहाँ जेल में बंद रहकर भी उन्होंने गीता रहस्य नामक ग्रंथ की रचना की। यह ग्रंथ भारतीय स्वतंत्रता के आंदोलन में प्रेरणा स्रोत हुआ।

सः महान् ..... सम्राट् आसीत्।

अनुवाद—वे महान् कर्मयोगी थे। उन्होंने कहा—''परिश्रम न करने वाले की परमात्मा भी सहायता नहीं करता है। अपितु कार्य करने वाले की सहायता प्रभु करता है।''

तिलक ने घोषणा की कि—''स्वाधीनता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।'' यह वाक्य स्वाधीनता के आंदोलन का प्रमुख नारा हुआ। वास्तव में तिलक भारत के मुकुटविहीन सम्राट् थे।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) तिलकस्य जन्मस्थानं महाराष्ट्रे रत्नागिरि नामके स्थाने आसीत्।

(ख) तिलकेन निज केसरीनामके वृत्तपत्रे आंग्लशासकानां कटु आलोचना कृता, अत: आंग्लशासकै: तं कारागारे न्यबध्नन्।

(ग) तिलकस्य प्रसिद्धं घोषणावाक्यं ''स्वाधीनता अस्माकं जन्मसिद्ध अधिकार: अस्ति।''

(घ) तिलक: 'गीतारहस्यम्' नामकं ग्रन्थं व्यरचयत्।

2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की उपयुक्त शब्दों द्वारा पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) तिलकस्य जीवनं **अत्यन्तं सात्विकम्** आसीत्।

(ख) स: अध्ययने लेखने च **निज समयस्य सदुपयोग:** कृतवान्।

(ग) स्वाधीनता अस्माकं **जन्मसिद्ध: अधिकार:** अस्ति।

3. निम्न वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

(क) वे निर्भीक पत्रकार और ओजस्वी वक्ता थे।

(ख) वे संस्कृत के प्रकांड विद्वान भी थे।

(ग) उन्होंने जेल में 'गीतारहस्यम्' नामक ग्रंथ की रचना की।

4. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक (विलोम) शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) निर्भीक: = **कायर:**

(ख) सदुपयोग: = **दुरुपयोग:**

(ग) बद्ध: = **मुक्त:**

(घ) जन्म = **मृत्यु:**

चतुर्थः पाठः

महात्मा गान्धिः (Mahatma Gandhi)

हिन्दी अनुवाद

भारतवर्षस्य ..... अकरोत्।

अनुवाद—भारतवर्ष के अनेक महापुरुषों में महात्मा गांधी भी थे। इन महोदय का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गांधी था। ये हमेशा सत्य के आचरण में लगे रहे अर्थात् इन्होंने जीवन भर सत्य का आचरण किया। महात्मा गांधी बचपन से ही माता-पिता के भक्त थे। शिक्षकों का आदर करना, इनका मुख्य कर्तव्य था। इनका सहपाठियों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार और प्रेम से बातचीत करना था। इन्होंने दु:खी लोगों की सहायता करना बचपन से बड़ा धर्म माना। ये उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए। मोहनदास ने प्रतिज्ञा की—''कभी मदिरापान (शराब) नहीं करूँगा। मांस नहीं खाऊँग। परनारी को माता के सम्मान देखूँगा।'' उन्होंने 'सादा जीवन उच्च विचार' ऐसी विचारधारा में विश्वास किया।

पराधीनकाले ..... नमाम:।

अनुवाद—पराधीनता के समय में गोरे (अंग्रेज) भारतीयों लोगों को दु:खी करते थे। यह सोचकर गांधी जी ने आंदोलन किया। अनेक बार सत्याग्रह आंदोलन भी किया। अंग्रेज अधिकारियों ने बहुत बार इन्हें कारागार का दंड दिया। किंतु महात्मा गांधी अपने अहिंसा के रास्ते से विचलित नहीं हुए। आखिर में इन महापुरुष के प्रयत्नों से भारत आजाद हो गया। हम उस महापुरुष को सादर नमन करते हैं।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) भारतस्य राष्ट्रपिता महात्मा गान्धि: आसीत्।

(ख) महात्मा गान्धि: प्रतिज्ञाम् अकरोत् यत्—''कदापि मदिरापानं न करिष्यामि, मांसं न भक्षयिष्यामि, परनारीं मातृवत् द्रक्ष्यामि।''

(ग) गौराङ्गा: भारतीयान् जनान् तुदन्ति स्म।

(घ) वयं महापुरुषं गान्धिं सादरं नमाम:।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) भारतवर्षस्य अनेकेषु महापुरुषेषु **महात्मा गान्धि:** अपि आसीत्।

(ख) अयं सदा **सत्याचरणे** तत्पर: आसीत्।

(ग) परनारीं **मातृवत्** द्रक्ष्यामि।

(घ) गान्धि: अनेकवारं **आन्दोलनम्** अपि अकरोत्।

(ङ) आँग्ल अधिकारिण: अस्मै बहुवारं **कारागार दण्डम्** अयच्छन्।

3. निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए और संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) महापुरुष: = महान् पुरुष

वाक्य–महात्मा गान्धि: एक: **महापुरुष:** आसीत्।

(ख) सत्याचरणे = सत्य के आचारण में

वाक्य–हरिश्चन्द्र: सदा **सत्याचरणे** तत्पर: आसीत्।

(ग) बहुवारम् = बहुत बार

वाक्य–महात्मा गान्धि: **बहुवारम्** आन्दोलनम् अकरोत्।

(घ) उच्चशिक्षायै = उच्च शिक्षा के लिए

वाक्य–गान्धि: महोदय: **उच्च शिक्षायै** विदेशं प्रति अगच्छत्।

(ङ) प्रतिज्ञाम् = शपथ

वाक्य–गान्धिना **प्रतिज्ञा** कृता: यत् कदापि मांसं न भक्षाय ष्यामि।

4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) बचपन में बड़े बुद्धिमान थे।

(ख) इनका सहपाठियों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार और प्रेम से बात करना था।

(ग) पराधीनता कि समय में गोरे (अंग्रेज) भारतीय लोगों को दुखी करते थे।

(घ) इन महापुरुष की कोशिशों से भारत आजाद हुआ।

(ङ) यह सोचकर गांधी जी ने आंदोलन किया।

5. संस्कृत में अनुवार कीजिए–

उत्तर– (क) महात्मा गान्धि: संसारस्य महापुरुष: आसीत्।

(ख) गान्धि महोदयेन स्व प्रयत्नै: भारत: स्वतन्त्र: कारित:।

(ग) अस्मान् एतादृशं महापुरुषं नमनीयम्।

(घ) अस्य महापुरुषास्य प्रयत्नै: देश: स्वतन्त्र: अभवत्।

(ङ) गान्धि: महोदय: 'सादा जीवन उच्चविचार' इति विचारधारायां विश्वासम् अकरोत।

6. निम्नलिखित शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए–

उत्तर–

मातृवत्	**माता के समान**
प्रेमालाप:	**प्रेमपूर्ण बात**
भक्षयिष्यामि	**खाऊँगा**
गौराङ्गा:	**अंग्रेज**
प्रतिज्ञाम्	**दृढ़निश्चय**
बाल्यादेव	**बचपन से ही**
कारागारे	**जेल में**

पञ्चमः पाठः

परोपकारः (Benvolence)

हिन्दी अनुवाद

संसारे ..... प्रवहन्ति।

अनुवाद—संसार में परोपकार सबसे बड़ा धर्म है। दूसरों का उपकार करना, परोपकार कहा जाता है। संसार में जो लोग परोपकार करते हैं, वे लोग श्रेष्ठ होते हैं।

न केवल मनुष्य अपितु प्रकृति भी परोपकार में संलग्न है। सूर्य और चंद्रमा रात-दिन परोपकार के लिए ही प्रकाशित होते हैं। हवा परोपकार के लिए बहती है। वृक्ष परोपकार के लिए फलते हैं (फल देते हैं)। बादल परोपकार के लिए बरसते हैं। नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं।

परोपकाराय .....परपीडनम्।।

अनुवाद—परोपकार के लिए महर्षि दधीचि ने देवताओं को अपनी हड्डियों दे दीं। राजा शिवि ने परोपकार के लिए अपना शरीर भी दे दिया। महात्मा गांधी परोपकार के लिए बार-बार जेल गए और विविध कष्ट सहे। महात्मा बुद्ध ने लोगों के दु:खों को दूर करने के लिए अपना राज्य छोड़ दिया। दयानंद, विवेकानंद आदि महापुरुषों ने लोगों के दु:खों को दूर करने के लिए आजीवन प्रयत्न किया। जो लोग दूसरों पर उपकार करते हैं, भगवान उनकी सहायता करता है।

जैसा कि किसी कवि ने भी कुछ कहा है—

अठारह पुराणों में महर्षि व्यास के दो वचन हैं—पुण्य के लिए परोपकार, पाप के लिए दूसरों को पीड़ा पहुँचाना है।

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में लिखिए–

उत्तर– (क) परोपकाराय वृक्षा: फलन्ति।

(ख) महर्षि: दधीचि: स्व अस्थीनि अददात्।

(ग) परोपकार: परमो धर्म: अस्ति।

(घ) ये जना: परेषाम् उपकारं कुर्वन्ति तेषां सहायतां करोति ईश्वर:।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) परेषाम् उपकार: **परोपकार:** कथ्यते।

(ख) **पवन:** परोपकाराय वहति।

(ग) मेघा: परोपकाराय **वर्षन्ति।**

(घ) **संसारे** परोपकार: परमो धर्म: अस्ति।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ हिन्दी में लिखिए–

उत्तर– (क) परपीडनम् **दूसरों को पीड़ा पहुँचाना**
(ख) प्रवहन्ति **बहती हैं**
(ग) अददात् **दे दिया**
(घ) अस्थीनि **हड्डियाँ**
(ङ) असहत् **सहा**
(च) परेषाम् **दूसरों का**

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) सज्जना: परोपकारं कुर्वन्ति।
(ख) अस्माभि: परोपकार: करणीय:।
(ग) मेघा: परोपकराय वर्षन्ति।
(घ) वृक्षा: परोपकाराय फलन्ति।

5. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) दूसरों का उपकार करना परोपकार कहा जाता है।
(ख) सूर्य और चंद्रमा रात-दिन परोपकार के लिए प्रकाशित होते हैं।
(ग) नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं।
(घ) संसार में परोपकार सबसे बड़ा धर्म है।

6. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अर्थ कीजिए–

उत्तर– श्लोक—अठारह पुराणों में महर्षि व्यास के दो वचन हैं—पुण्य के लिए परोपकार, पाप के लिए दूसरों को पीड़ा पहुँचाना।

षष्ठः पाठः

यात्रा-साधनानि (Means of Journey)

हिन्दी अनुवाद

प्राचीन काले ..... गच्छन्ति।

अनुवाद—प्राचीन काल में मनुष्य पैदल दूर स्थित स्थानों पर जाता था। इस प्रकार वह थक जाता था और कष्ट महसूस करता था। प्राचीन काल में लोग रथों, बैलगाड़ियों, घोड़ों, गधों, हाथियों और ऊँटों से दूर स्थानों को जाते थे। उस काल में लोग नावों द्वारा नदियाँ भी पार करते थे। किंतु इस समय यात्रा के नए साधन हैं। इनमें भाप का इंजन, वायुयान, मोटरगाड़ी आदि उपलब्ध हैं। इनसे लोग जल्दी से जल्दी दूर स्थानों को जाते हैं। इस समय यात्रा लोगों को कुछ भी कष्ट नहीं देती है। लोग जैसे घर में भोजन, विश्राम और शयन करते हैं, वैसे ही जलपोत में, वाष्पयान में और हवाई जहाज में करते हैं। जहाँ वाष्पयान नहीं जाता है, वहाँ लोग मोटरगाड़ी से यात्रा करते हैं। मरुस्थल में ऊँट ही यात्रा का साधन है। पर्वतीय क्षेत्र में लोग घोड़ों से इधर-उधर जाते हैं।

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) प्राचीन काले जना: पादाभ्यां दूरस्थेषु स्थानेषु गच्छन्ति स्म, अत: ते कष्टम् अनुभवन्ति स्म।
(ख) तस्मिन् काले जना: रथै:, शकटै: अश्वै:, गर्दभै:, गजै: उष्ट्रै: च यात्रां कुर्वन्ति स्म।
(ग) अधुना लौहपथगामिनी, मोटरयानं, वायुयानं, जलपोतम्, इत्यादिनि नवीनानि साधनानि सन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) प्राचीनकाले जना: **रथै:, शकटै:, अश्वै:, गदभै:, गजै: उष्ट्रै: च** दूराणि स्थानानि गच्छन्ति स्म।
(ख) अधुना यात्रा जनेभ्य: किमपि **कष्टं** न ददाति।
(ग) मरुस्थले प्रदेशे **उष्ट्र:** एव **यात्राया:** साधनम् अस्ति।
(घ) **पर्वतीय क्षेत्रे** जना: **अश्वै:** इतस्ततो गच्छन्ति।

3. निम्नलिखित शब्द रूपों के लिंग, वचन तथा विभक्ति लिखिए–

उत्तर– (क) अनेन पुल्लिङ्ग एकवचन तृतीया
(ख) जनेभ्य: **पुल्लिङ्ग बहुवचन चतुर्थी/पंचमी**
(ग) यात्राया: **स्त्रीलिङ्ग एकवचन पंचमी/षष्ठी**
(घ) एतै: **पुल्लिङ्ग बहुवचन तृतीया**

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) श्राम्यति—वर्तमान काले जन: यात्रायां न **श्राम्यति**।
(ख) तरन्ति—प्राचीनकाले जना: नौकाभि: **तरन्ति** स्म।
(ग) ददाति—अधुना यात्रा जनेभ्य: कष्टं न **ददाति**।

हिन्दी अनुवाद

एकस्मिन् ..... वर्तते।

अनुवाद—एक वर्ष में बारह महीने और छः ऋतुएँ होती हैं। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, मार्गशीर्ष, पौष, माघ और फाल्गुन, ये बारह महीने होते हैं। वसंत, ग्रीष्म, वर्षा, हेमंत, शिशिर और शीत ये छः ऋतुएँ होती हैं। वसंत प्रथम ऋतु है। वसंत सभी ऋतुओं में श्रेष्ठ है।

वसन्ते .....कथ्यते।

अनुवाद—वसंत में सुगंधित वायु धीरे-धीरे बहती है। पेड़ों की शाखाओं पर नए कोमल पत्ते उत्पन्न होते हैं और फल खिलते हैं। कोयल मधुर स्वर से कूकती है। फूलों पर भौंरे गुनगुनाते हैं। तालाबों में कमल खिलते हैं।

वसंत में न केवल मनुष्य ही अपितु पक्षी, पशु और वृक्ष भी प्रसन्नता को अनुभव करते हैं। इसलिए ही वसंत ऋतुराज कहा जाता है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) वर्षे षड् ऋतवः भवन्ति।
(ख) पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति।
(ग) वसन्तः प्रथमः ऋतुः अस्ति।
(घ) कमलानि सरोवरेषु विकसन्ति।
(ङ) मधुर स्वरेण कोकिला कूजति।
(च) वसन्त ऋतुः सर्वेषु श्रेष्ठः अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) एकस्मिन् **वर्षे** षड् ऋतवः भवन्ति।
(ख) **वसन्तः** प्रथमः ऋतुः अस्ति।
(ग) **वसन्ते** सुगन्धः पवनः **मन्दं-मन्दं** वहति।
(घ) सरोवरेषु **कमलानि** विकसन्ति।
(ङ) वसन्तः **ऋतुराजः** कथ्यते।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) एकस्मिन् वर्षे द्वादश मासाः भवन्ति।
(ख) वसन्त ऋतुः सर्वेषु ऋतुषु श्रेष्ठः अस्ति।
(ग) वसन्त ऋतौ पवनः मन्दं-मन्दं वहति।
(घ) पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति।
(ङ) वसन्त ऋतुः ऋतुराजः कथ्यते।

4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) कोयल मधुर स्वर से कूकती है।
(ख) तालाबों में कमल खिलते हैं।
(ग) वसंत वर्ष की प्रथम ऋतु है।
(घ) वसंत सभी ऋतुओं में श्रेष्ठ है।
(ङ) पेड़ों पर फूल खिलते हैं।

5. ऋतुओं के नाम संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) वसन्तः (ख) ग्रीष्मः
(ग) वर्षा (घ) हेमन्तः
(ङ) शिशिरः (च) शीतः

अष्टमः पाठः मिथ्या प्रशंसा (False Praise)

हिन्दी अनुवाद

एकदा ..... अस्मि।''

अनुवाद—एक बार एक कौआ बहुत भूखा था। उसे जमीन पर एक मांस का टुकड़ा मिला। भूखा कौआ उस मांसपिंड को चोंच में लेकर पेड़ की डाल पर बैठ गया। तब एक गीदड़ कौए के मुख में मांसपिंड को देखकर लालची हो गया। गीदड़ स्वभाव से धूर्त था। उसने सोचा—'ओह, मैं इस सरस मांस के टुकड़े को कैसे प्राप्त करूँ।' कुछ सोचकर वह धूर्तता से कौए से बोला—''हे काक! तुम्हारी सुंदरता बहुत रमणीय है। तुम्हारा मधुर गीत सुनने के लिए ही मैं यहा आया हूँ।''

काकः ..... अपलायत्।

अनुवाद—कौआ झूठी प्रशंसा सुनकर प्रसन्न हो गया। वह पुलकित (प्रसन्न) होकर पेड़ की डाल पर इधर-उधर नाचने लगा। तब गीदड़ ने कहा—''अहा! तुम्हारा नृत्य भी बहुत सुंदर है। तुम्हारा गाना तो निश्चित ही कोयल के गाने से भी मीठा होगा।'' अपनी प्रशंसा से प्रसन्न कौआ गाने के लिए तैयार हो गया। इसके बाद उसके मुख से मांस का टुकड़ा जमीन पर गिर गया। धूर्त गीदड़ उस मांसपिंड को लेकर दूसरी जगह भाग गया।

अभ्यासः

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) काकः बुभुक्षितः आसीत्।
(ख) शृगालः स्वभावेन धूर्तः आसीत्।
(ग) काकस्य मुखात् मांसपिण्ड भूमौ अपतत्।
(घ) मांसपिण्डं गृहीत्वा शृगालः अन्यत्र अपलायत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) एकदा एक: काक: **अति बुभुक्षित:** आसीत्।
(ख) तं मांसपिण्डं **चञ्चौ** निधाय वृक्षस्य शाखायाम् उपविष्ट:।
(ग) स्वप्रशंसया **पुलकित:** काक: गानाय प्रवृत्त: अभवत्।
(घ) तव मधुरं गीतं **श्रवणाय** अहम् अत्र आगत: अस्मि।

नवमः पाठः

हिन्दी अनुवाद

अयं ..... पश्यन्ति।

अनुवाद—यह विज्ञान का युग है। विज्ञान के अनेक आविष्कार हैं। दूरर्शन (टी० वी०) का आविष्कार मनोरंजन के क्षेत्र में आश्चर्यजनक और महत्वपूर्ण है। दूरदर्शन पर लोग न केवल कार्यक्रम सुनते हैं। अपितु कहने वाले के चित्र भी देखते हैं।

दूरर्शनं ..... भवति।

अनुवाद—दूरदर्शन मनोरंजन का साधन है। दूरदर्शन शिक्षा का साधन भी है। दूरदर्शन से खेलों के समाचार-पत्र, देश-विदेशों की स्थिति का ज्ञान होता है। दूरदर्शन पर अनेक विज्ञापन भी दिखाई देते हैं। उपग्रह के द्वारा खेल का प्रत्यक्ष प्रसारा देखते हैं। संगीत, नृत्य, चलचित्र, नाटक, भक्ति संगीत आदि का प्रसारण दूरदर्शन से होता है।

दूरदर्शने ..... दूरदर्शनम्।

अनुवाद—दूरदर्शन के द्वारा गणतंत्र-दिवस, स्वतंत्रता दिवस का प्रत्यक्ष प्रसारण होता है। हम घर में रहकर विविध कार्यक्रमों को देखते हैं। आज रविवार है। हम पिक्चर देखेंगे। दूरदर्शन एक श्रेष्ठ यंत्र है। दूरदर्शन प्रतिदिन नए नाटक, गीत और नृत्य दिखाता है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) वयं दूरदर्शने क्रीडाया: समाचारान्, देश-विदेशानां स्थितिं, नृत्यं, संगीतं, चलचित्रं, नाटकं, भक्तिं संगीतादिं पश्याम:।
(ख) दूरदर्शनेन देश-विदेशानां स्थितिनां ज्ञानं भवति।
(ग) दूरदर्शनम् एकं श्रेष्ठं यन्त्रम् अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) विज्ञानस्य अनेका: **आविष्कारा:** सन्ति।
(ख) **दूरदर्शनं** शिक्षाया: साधनम् अपि अस्ति।

3. नीचे लिखे वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) काक: भूमौ मांसपिण्डम् अपश्यत्।
(ख) काक: स्व मिथ्यां प्रशंसां श्रुत्वा प्रसन्न: अभवत्।
(ग) अरे! तव नृत्यम् अपि अति मनोहरम् अस्ति।
(घ) शृगाल: तं मांसपिण्डं नीत्वा अन्यत्र अपलायत्।

दूरदर्शनम् (Television)

(ग) दूरदर्शनम् एकं श्रेष्ठं **यन्त्रम्** अस्ति।
(घ) अयं **विज्ञानस्य** युग: अस्ति।
(ङ) उपग्रहेण क्रीडाया: **प्रत्यक्षं** प्रसारणं पश्याम:।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) अयं विज्ञानस्य युग: अस्ति।
(ख) अद्य रविवासर: अस्ति।
(ग) उपग्रहेण क्रीडाया: प्रत्यक्षं प्रसारणं पश्याम:।
(घ) दूरदर्शनं शिक्षाया: अपि साधनमस्ति।
(ङ) दूरदर्शनं मनोरञ्जनस्य एकं महत्त्वपूर्णं साधनमस्ति।

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) विज्ञान के अनेक आविष्कार हैं।
(ख) दूरदर्शन प्रतिदिन नए नाटक, गीत और नृत्य दिखाता है।
(ग) हम पिक्चर देखेंगे।
(घ) दूरदर्शन एक श्रेष्ठ यंत्र है।
(ङ) उपग्रह के द्वारा खेल का प्रत्यक्ष प्रसारण देखते हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– (क) युग: **समय**
(ख) पश्यन्ति **देखते हैं**
(ग) आकर्णयन्ति **सुनते हैं**
(घ) नूतनम् **नए**

6. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य रचना कीजिए–

उत्तर– (क) उपग्रहेण—वयं **उपग्रहेण** क्रीडाया: प्रत्यक्षं प्रसारणं पश्याम:।
(ख) विज्ञापनानि—वयं दूरदर्शने **विज्ञापनानि** अपि पश्याम:।

(ग) साधनम्—दूरदर्शनं मनोरंञ्जनस्य महत्त्वपूर्णं **साधनम्** अस्ति।

(घ) आविष्काराः—साम्प्रतं वयं विज्ञानस्य अनेका: **आविष्काराः** पश्यामः।

(ङ) यन्त्रम्—दूरदर्शनम् एकं श्रेष्ठं **यन्त्रम्** अस्ति।

दशमः पाठः

गणतन्त्र दिवसः (Republic Day)

हिन्दी अनुवाद

गणतन्त्र दिवसः ..... भवति।

अनुवाद—गणतंत्र दिवस स्वतंत्र भारत का महान् राष्ट्रीय उत्सव है। यह उत्सव प्रतिवर्ष जनवरी महीने की 26 तारीख के दिन मनाते हैं। हमारा देश 1947 ई० में अगस्त महीने की पंद्रह तारीख के दिन आजाद हुआ। नए संविधान की घोषणा 1950 ई० में जनवरी महीने की 26 तारीख में हुई। तब से लेकर ही यह दिन गणतंत्र दिवस कहलाता है। गणतंत्र में राष्ट्रपति सर्वोच्च शासक होता है।

गणतन्त्र दिवसे ..... भवति।

अनुवाद—गणतंत्र दिवस में नगर-नगर सभी लोग उत्साह से यह पर्व मनाते हैं। किंतु भारत की राजधानी दिल्ली में तो यह समारोह विशेषपूर्वक दर्शनीय होता है।

राष्ट्रपति भवन से राष्ट्रपति महोदय चार घोड़ों से सजे रथ पर बैठकर आते हैं। वहाँ सेना और प्रजा उनका अभिनंदन करती है। उनके आने पर राष्ट्रध्वज फहराया जाता है। इसके बाद गणतंत्र-दिवस की शोभायात्रा निकलती है।

लाखों लोग भारत द्वार (इंडिया गेट) के दोनों ओर इकट्ठे होते हैं। लोग, विविध युद्धोपकरण और झाँकियों को देखकर प्रसन्न होते हैं। रात्रि में राष्ट्रपति भवन और केंद्रीय सचिवालय में बिजली के बल्बों का रंग-बिरंगा प्रकाश होता है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) अस्माकं देशः 1947 तमे ख्रीष्टाब्दे अगस्त मासस्य पञ्चदशे दिनाङ्के स्वतन्त्रः अभवत्।

(ख) नवीन संविधानस्य घोषणा 1950 तमे ख्रीष्टाब्दे जनवरी मासस्य षड्विंशतिः दिनाङ्के अभवत्।

(ग) लक्षशः जनाः भारतद्वारम् उभयतः एकत्रिताः भवन्ति।

(घ) राष्ट्रपति-भवने केंद्रीय सचिवालये च विद्युत् दीपानां चित्र-विचित्रो प्रकाशः भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) गणतन्त्रे **राष्ट्रपतिः** सर्वोच्चः शासकः भवति।

(ख) तत्र सेनाः **प्रजाश्च** तम् अभिनन्दन्ति।

(ग) तस्य आगते राष्ट्रध्वजस्य **आरोहणं** भवति।

(घ) एतदनन्तरं गणतन्त्र दिवसस्य शोभायात्रा **निर्गच्छति**।

(ङ) लक्षशः जनाः भारतद्वारम् उभयतः एकत्रिताः **भवन्ति।**

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) गणतन्त्र दिवसः भारतस्य महान् राष्ट्रीयः उत्सवः अस्ति।

(ख) गणतन्त्र राज्यस्य सर्वोच्चः शासकः राष्ट्रपतिः भवति।

(ग) राष्ट्रपतेः आगते ध्वजारोहणं भवति।

(घ) गणतन्त्र दिवसः प्रति नगरे सर्वे जनाः उत्साहेन मानयन्ति।

(ङ) भारतद्वारम् उभयतः लक्षशः जनाः एकत्रिताः भवन्ति।

4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) लाखों लोग भारतद्वार (इंडिया गेट) के दोनों और एकत्रित होते हैं।

(ख) तब से लेकर यह दिन गणतंत्र दिवस कहलाता है।

(ग) गणतंत्र में राष्ट्रपति शासन होता है।

(घ) यह उत्सव प्रतिवर्ष जनवरी महीने की २६ तारीख को मनाते हैं।

(ङ) वहाँ सेना और प्रजा उनका अभिनंदन करती है।

5. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) लक्षशः—हरिद्वारे गङ्गायाः तटे **लक्षशः** जनाः एकत्रिताः आसन्।

(ख) आरोहणम्—गणतन्त्र दिवसोपलक्ष्ये प्रति विद्यालये प्रधानाचार्याः ध्वजस्य **आरोहणं** कुर्वन्ति।

(ग) पञ्चदशे—अगस्त मासस्य **पञ्चदशे** दिनाङ्के वयं स्वतंत्रता दिवसः मानयामः।

(घ) ख्रीष्टाब्दे—1950 तमे ख्रीष्टाब्दे जनवरी मासस्य षड् विंशतिः दिनाङ्के नवीन संविधानस्य घोषणा अभवत्।

(ङ) सर्वोच्च:—गणतन्त्रे राष्ट्रपति: **सर्वोच्च:** शासक: भवति।

6. निम्नलिखित शब्दों का सही मिलान कीजिए–

उत्तर– सर्वेजना: **सब लोग**

एकादशः पाठः

हिन्दी अनुवाद

हस्तस्य ..... प्रयोजनम्।।

अनुवाद—हाथ का गहना दान, गले का गहना सत्य, कान का गहना शास्त्र है। फिर धातु रूपी गहनों से क्या लाभ है?

सर्वनाशे ..... दुस्सह।।

अनुवाद—सर्वनाश के उत्पन्न होने पर विद्वान अंधे को छोड़ देता है। वह आधे से कार्य करता है। निश्चय ही सर्वनाश कठिनता से सहन होता है।

क्षणशः ..... धनम्।।

अनुवाद—प्रत्येक क्षण विद्या और धन हेतु प्रत्येक का कण चिंतन करे। क्योंकि एक क्षण का भी त्याग करने पर विद्या कहाँ, और एक कण का त्याग करने पर धन कहाँ?

उत्सवे ..... बान्धवः।।

अनुवाद—उत्सव (त्योहर) में, व्यसन (विषय) में, भुखमरी में और शत्रु द्वारा संकट उत्पन्न होने पर, राजदरबार में और श्मशान में जो साथ रहता है, वह मित्र है।

अभिवादनशीलस्य ..... यशोबलम्।।

अनुवाद—नमस्कार करने वाले स्वभाव वाले की, प्रतिदिन बुजुर्गों की सेवा करने वाले की चार चीजें बढ़ती हैं—आयु, विद्या, कीर्ति और बल।

नमन्ति ..... कदाचन।।

अनुवाद—फलों से भरे वृक्ष झुकते हैं (विनम्र होते हैं), गुणी लोग झुकते हैं। किंतु सूखे पेड़ और मूर्ख लोग कभी नहीं झुकते हैं।

सर्वतीर्थमयी ..... पूजयेत्।।

अनुवाद—संपूर्ण तीर्थमयी माता है और संपूर्ण देव पिता हैं।

द्वादशः पाठः

हिन्दी अनुवाद

संस्कृत भाषा ..... भवति।

अनुवाद—संस्कृत भाषा मधुर और सरल है। यह भाषा संसार की सभी भाषाओं में सबसे पुरानी है। संस्कृत भाषा का साहित्य बहुत ही रसपूर्ण है। संस्कृत की ही यह उक्ति है—''संस्कृति को धारण करने वाली एक वाणी पुरुष को

ख्रीष्टाब्दे	**ईस्वी में**
देहल्याम्	**दिल्ली में**
उभयत:	**दोनों ओर**
आरोहणम्	**फहराना**

सुभाषितानि (Elquently)

इसलिए माता और पिता को सारी कोशिशों के द्वारा पूजें अर्थात् उनकी प्रत्येक इच्छा का ध्यान रखें तथा आज्ञा का पालन करें।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) कण्ठस्य भूषणं सत्यम् अस्ति।

(ख) सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्द्धं त्यजति पण्डित:।

(ग) क्षणश: विद्यां चिन्तयेत्।

(घ) अभिवादनशीलस्य आयु:, विद्या, यश: बलं च वर्धन्ते।

(ङ) गुणिनो जना: नमन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) **सर्वनाशे** समुत्पन्ने अर्द्धं त्यजति पण्डित:।

(ख) राजद्वारे श्मशाने च य: **तिष्ठति** स: **पण्डित:।**

(ग) हस्तस्य भूषणं **दानं** सत्यं **कण्ठस्य** भूषणम्।

3. निम्नलिखित शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए–

उत्तर–	सर्वनाशे	**संपूर्ण समाप्ति पर**
	दुर्भिक्षे	**भुखमरी में**
	अर्द्धेन	**आधे से**
	दुस्सह	**कठिनाई से सहन**

4. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर–	(क) पण्डित:	**मूर्ख:**
	(ख) शत्रु:	**मित्रम्**

संस्कृत भाषा (Sanskrit Language)

अलंकृत करती है।'' मानवीय गुणों और संस्कारों का उत्पत्ति स्थान संस्कृत ही है। भारतीय जीवन में संस्कृत इस प्रकार व्याप्त है कि उसका अलग करना बिल्कुल असंभव है। संस्कृत के अध्ययन से ही हम भारतीय हैं। प्राचीन भाषा संस्कृत जिसने नहीं पढ़ी, उसका सारा प्रयास शून्य के समान होता है।

विश्वस्य ..... वाक्यांशाः सन्ति।

अनुवाद—विश्व के आदि ग्रंथ ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद संस्कृत भाषा में ही हैं। वेद के अंग भी संस्कृत भाषा में ही हैं। इसलिए संस्कृत भाषा को सभी भाषाओं की जननी (माता) मानते हैं। प्राचीन काल में संस्कृत के अध्ययन के लिए बालक गुरुकुल में जाते थे। गुरुओं की सेवा करके संस्कृत की शिक्षा का फल प्राप्त करते थे। यज्ञोपवीत संस्कार संस्कृत में ही होता है। संसार में सोलह संस्कार होते हैं। संस्कृत भाषा के बिना कुछ भी सिद्ध नहीं होता है। संस्कृत भाषा में ही मुख्य रूप से—आचार्य (गुरुओं) की सेवा करने वाले होओ, माता की सेवा करने वाले होओ, पिता की सेवा करने वाले होओ अर्थात् इन सभी की देवताओं की तरह पूजा करो। ऐसे शिक्षाप्रद वाक्यों के अंश हैं।

अस्मिन् भारते ..... अध्ययनम्।

अनुवाद—इस भारत में एकता और अखंडता का पाठ संस्कृत से ही संभव है। संस्कृत भाषा ही मनुष्य के कल्याण में पूरी तरह समर्थ है। इसलिए यह भाषा हर तरह से सम्मान के योग्य है और इसके द्वारा प्रदर्शित शिक्षा अनुकरणीय है। किसी विद्वान ने सच कहा है—

''भाषाओं में मधुर, मुख्य दिव्य संस्कृत भाषा है।''

''संस्कृत विषय का अध्ययन धन्य है।''

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) संस्कृत भाषा मधुरा सरला च अस्ति।

(ख) विश्वस्य आदिग्रन्थाः सन्ति—ऋग्वेदः, यजुर्वेदः, सामवेदः अथर्ववेदश्च।

(ग) संस्कृत भाषां सर्वासां भाषाणां जननी मानयन्ति।

(घ) पुरा संस्कृतस्य अध्ययनार्थं बालकाः गुरुकुले गच्छन्ति स्म।

(ङ) 'गीर्वाणभारती' इत्यस्य आशयः अस्ति 'संस्कृत भाषा।'

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) संस्कृतभाषा **मधुरा सरला** च अस्ति।

(ख) वेदस्य अङ्गानि अपि **संस्कृत** भाषायामेव सन्ति।

(ग) संस्कृत **भाषायाः** साहित्यम् **अतीव** सरसं वर्तते।

(घ) वाण्येका समलंकरोति पुरुषं या संस्कृता **धार्यतेति**।

(ङ) संस्कृतभाषां विना किमपि न **सिद्धयतीति**।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) संस्कृत भाषा सभी भाषाओं में प्राचीन है।

(ख) वेद के अङ्गभी संस्कृत भाषा में ही हैं।

(ग) यज्ञोपवीत संस्कार संस्कृत में ही होता है।

(घ) संस्कृत भाषा ही मानव के कल्याण में पूरी तरह समर्थ है।

(ङ) सभी भाषाओं मधुर, मुख्य दिव्य संस्कृत भाषा है।

4. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके संस्कृत में वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) अनुकरणीय—संस्कृत भाषया प्रदत्ता शिक्षा अस्माभिः **अनुकरणीया** अस्ति।

(ख) विश्वस्य—**विश्वस्य** सर्वासु भाषासु संस्कृत भाषा प्राचीनतमा अस्ति।

(ग) गीर्वाणभारती—**गीर्वाणभारती** सरसा मधुरा च अस्ति।

(घ) भाषायाम्—अस्माकं वेदादिग्रंथाः संस्कृत **भाषायाम्** एव सन्ति।

(ङ) मधुरा—संस्कृत भाषा बहु **मधुरा** अस्ति।

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) संस्कृत भाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा अस्ति।

(ख) मानवीय गुणानां संस्काराणां च उत्पत्तेः स्थानं संस्कृत भाषा एवास्ति।

(ग) संस्कृतभाषा सर्वासां भाषाणां जननी मानयन्ति।

(घ) संस्कृत भाषा एव मानवकल्याणे समर्थास्ति।

(ङ) विश्वस्य आदिग्रंथाः संस्कृत भाषायामेव सन्ति।

त्रयोदशः पाठः

कारक-कुतूहलम् (Case-Curiosity)

हिन्दी अनुवाद

कर्त्ता

काकः ..... पिकः।।

अनुवाद—कौआ काला, कोयल काली, कोयल और कोए में क्या भेद (अंतर) है? वसन्त के आने पर कौआ, कौआ होता है और कोयल, कोयल होती है अर्थात् इनके बोलने से इनका अंतर स्पष्ट हो जाता है।

कर्म

विनयो ..... भोजनम्।।

अनुवाद—विनम्रता वंश (कुल) को कहती है अर्थात् विनम्रता से वंश का पता चलता है। बोलने से (भाषा के द्वारा) देश का पता चलता है। घबराहट से प्रेम का (स्नेह का) पता चलता है, शरीर से भोजन का पता चलता है अर्थात् वह कितना खाता होगा।

करण

एकेनापि ..... यथा।।

अनुवाद—जिस प्रकार एक अच्छे वृक्ष के फूल की खुशबू से सारा वन सुगंधित हो जाता है, वैसे ही एक अच्छा पुत्र अपने वंश को सुकार्यों के द्वारा खुशबू से भर देता है अर्थात् अपने कुल का नाम रोशन करता है।

सम्प्रदान

मोदकं ..... नम्रता।।

अनुवाद—पुत्र को (के लिए) लड्डू दो और भिक्षुक (भिखारी) को भोजन दो। घमंड तो नाश के लिए होता है और विजय के लिए नम्रता होती है।

अपादान

ग्रामाद् ..... जवाहरः।।

अनुवाद—वे एक गाँव से दूसरे गाँव तथा एक देश से दूसरे देश को गए। किंतु वे श्री जवाहरलाल नेहरू किसी से नहीं डरे।

संबंध

जलबिन्दोः ..... धनस्य च।।

अनुवाद—जिस प्रकार क्रमशः (लगातार) पानी की बूँद के गिरने से घड़ा भर जाता है, उसी तरह सभी विद्याओं (शिक्षाओं) के कारण धर्म और धन का भी घड़ा भर जाता है। अर्थात् विद्या (पढ़ाई तथा शिक्षा) के कारण व्यक्ति धार्मिक और धनी हो जाता है।

अधिकरण

शैले-शैले ..... वने वने।।

अनुवाद—जैसे प्रत्येक पर्वत पर माणिक (लाल रत्न) नहीं होता, प्रत्येक हाथी में मोती नहीं होता, प्रत्येक वन में चंदन नहीं होता, वैसे ही सब जगह साधु (सज्जन) नहीं होते।

सम्बोधन

पुत्र! .....चोत्पाटयामि ते।।

अनुवाद—पुत्र! तुम ग्रंथ (किताब) पढ़ो, मैं तुम्हें लड्डू देता हूँ। नहीं तो किसी और को दे दूँगा और तुम्हारे कान उखाड़ूँगा।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) वसन्त समये प्राप्ति पिककाकयोः भेदः भवति।
(ख) विनयः वंशम् आख्याति।
(ग) याचकाय भोजनं दातव्यम्।
(घ) जलबिन्दोः निपातेन घटः पूर्यते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) विजयाय च **नम्रता**।
(ख) **सुपुत्रेण** कुलं यथा।
(ग) वपुः आख्याति **भोजनम्।**
(घ) मोदकानि **ददामि** ते।

3. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– श्लोक—पर्वत-पर्वत अर्थात् प्रत्येक पर्वत पर माणिक (लाल रत्न) नहीं होता, प्रत्येक हाथी में मोती नहीं होता, वन-वन (प्रत्येक वन में) में चंदन नहीं होता। ऐसे ही सब जगह साधु नहीं होते।

चतुर्दशः पाठः

पर्वतराजः हिमालयः (Mountain Himalays)

हिन्दी अनुवाद

अस्माकं ..... प्रवर्तयति।

अनुवाद—हमारे देश में बहुत सारे पर्वत हैं। उनमें हिमालय सबसे ऊँचा पर्वत है। इसलिए ही यह पर्वतों का राजा है। हिमालय भारत की उत्तर दिशा में स्थित है। हिमालय की चोटियाँ बहुत ऊँची हैं। एवरेस्ट हिमालय की सबसे ऊँची चोटी है। यह संसार की सर्वोच्च चोटी है। कैलाश हिमालय का दूसरा शिखर है। वहाँ उमा-महेश का निवास है, ऐसा

लोग कहते हैं। हिमालय की ऊँची चोटियाँ हमेशा बर्फ से ढकी रहती हैं। इसलिए यह बर्फ का घर है। हिमालय भारत का रक्षक है। हिमालय भारतवर्ष की पहरेदार के समान शत्रुओं से रक्षा करता है। यह वर्षा ऋतु में बादलों को बरसने के लिए लौटता है।

इरावती ..... मिलन्ति।

अनुवाद—राखी गंगा, यमुना, सिंधु, ब्रह्मपुत्र, सतलुज, व्यास, चिनाब, झेलम जैसी नदियाँ यहीं से ही निकलती हैं। इनके जल से इस देश की भूमि सिंचित होती है। इसलिए ही भारत भूमि में अन्न और फल पर्याप्त मात्रा में होते हैं।

हिमालय के ऊपर घने वन हैं। वहाँ, शेर, हाथी, भालू, चीते, हिरन और खरगोश जैसे विविध प्राणी रहते हैं। वनों से लकड़ियाँ, दवाइयाँ इत्यादि अनेक वस्तुएँ मिलती हैं।

हिमालयस्य ..... कथयन्ति।

अनुवाद—हिमालय का प्राकृतिक सौंदर्य मनोरम है। यहाँ स्वास्थ्यवर्धक स्थान भी हैं। इनमें श्रीनगर, शिमला, मसूरी, गढ़वाल, नैनीताल, दार्जिलिंग आदि प्रमुख हैं। गर्मी के मौसम में गर्मी से बेचैन लोग हिमालय को जाते हैं। हमारे प्रसिद्ध तीर्थ स्थान बद्रीनाथ, केदारेश्वर, गंगावतरण, गोमुख, यमुनावतरण आदि हिमालय में ही हैं। कवि कश्मीर को स्वर्ग के समान कहते हैं।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) हिमालयः पर्वतानां राजा अस्ति।
(ख) हिमालयस्य सर्वोच्चं शिखरं एवरेस्ट अस्ति।
(ग) शिवस्य स्थानं हिमालयः अस्ति।
(घ) हिमालयः भारतवर्षस्य प्रहरी अस्ति।
(ङ) हिमालयात् इरावती, गंगा, यमुना, सिंधु, ब्रह्मपुत्रः, शतद्रुः, विपाशा, चन्द्रभागा, वितस्ता प्रभृतयः नद्यः निर्गच्छन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) हिमालयः **पर्वतानां** राजा अस्ति।
(ख) सः **भारतवर्षस्य** रक्षां करोति।
(ग) अस्माकं देशे बहवः **पर्वताः** सन्ति।
(घ) **इरावती, गंगा, आदयः नद्यः** अस्मात् एव निस्सृताः सन्ति।

3. निम्नलिखित शब्दों के संस्कृत शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) पहरेदार **प्रहरी**
(ख) ऊँची **उन्नतम्**
(ग) चोटी **शिखरम्**
(घ) शेर **सिंहः**

पञ्चदशः पाठः

होलिकोत्सवः (Holi Festival)

हिन्दी अनुवाद

अस्माकं देशे ..... उत्सवः।

अनुवाद—हमारे देश में अनेक उत्सव (त्योहार) हैं। उनमें होली का उत्सव महान है। यह उत्सव फाल्गुन मास की पूर्णिमा में चैत्रमास की प्रतिपदामें होता है। वसंत ऋतु के आने पर प्रकृति की सुंदरता बढ़ती है और कोयल कूकती हैं। ठंडी, मंद और खुशबूदार हवा बहती है। उसके ही उल्लास का प्रतीक स्वरूप यह उत्सव है।

होलिकोत्सवस्य ..... भवति।

अनुवाद—होली के उत्सव के विषय में यह कथा प्रसिद्ध है कि—प्रह्लाद दैत्यराज हिरण्यकशिपु का पुत्र था। उसने बहुत तरह से प्रह्लाद को मारने का प्रयास किया किंतु वह सफल नहीं हुआ। होलिका उसकी बहन थी। होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में प्रवेश करती है। भगवान की कृपा से प्रह्लाद तो बच गया, किंतु वह जल गई। अधर्म के ऊपर धर्म की विजय हुई। तब से लेकर यह उत्सव प्रचलित है। पहले दिन, रात में होलिका-दहन किया जाता है। उसके बाद दूसरे दिन रंग-खेल होता है। सभी लोग नाचते हैं, गाते हैं और परस्पर मिलते हैं। इस दिन प्रसन्नता और उल्लास का साम्राज्य होता है।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) होलिकोत्सवः फाल्गुन मासस्य पूर्णिमायां चैत्र मासस्य प्रतिपदायां भवति।
(ख) हिरण्यकशिपोः भगिनी होलिका आसीत्।
(ग) द्वितीय दिवसे रंग-क्रीडा भवति।
(घ) प्रथम दिवसे रात्रौ होलिकाः-दाहः भवति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) **वसन्तस्य** आगमे प्रकृत्याः सौन्दर्यं वर्धते।
(ख) अस्माकं देशे **अनेकाः** उत्सवाः सन्ति।
(ग) प्रह्लादः **दैत्यराज** हिरण्यकशिपोः पुत्रः आसीत्।
(घ) अधर्मस्य उपरि धर्मस्य **विजयः** अभवत्।

(ङ) होलिका प्रह्लादं **अङ्के** नीत्वा अग्निं प्रविशति।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– (क) हन्तुम् **मारने के लिए**
(ख) दग्धा **जल गई**
(ग) वात: **हवा**
(घ) अङ्के **गोद में**
(ङ) भगिनी **बहन**
(च) प्रतिपदा **पहली तिथि**

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) उनमें होली का उत्सव महान् उत्सव है।
(ख) प्रह्लाद दैव्यराज हिरण्यकशिपु का पुत्र था।
(ग) ठंडी, मंद और खुशबूदार हवा बहती है।
(घ) सभी लोग नाचते हैं और परस्पर मिलते हैं।
(ङ) इस दिन हर्ष और उल्लास का साम्राज्य होता है।

5. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य रचना कीजिए–

उत्तर– (क) उपवने शीतल:, मन्द: सुगन्ध: च वात: **वहति**।
(ख) सरोवरे विविधानि पुष्पाणि **विकसन्ति**।
(ग) आम्रवृक्षे कोकिला: मधुरं **कूजन्ति**।
(घ) अद्य सर्वे जना: प्रसन्ना: **सन्ति**।
(ङ) होलिकाया: दहनानन्तरं द्वितीये दिने रंग-क्रीडा **भवति**।

6. निम्नलिखित वाक्यों को वर्तमान काल में बदलकर पुन: लिखिए–

उत्तर– (ख) होलिका अग्निं प्रविशति।
(ग) स: प्रह्लादं हन्तुं प्रयत्नं करोति।
(घ) अधर्मस्य उपरि धर्मस्य विजय: भवति।
(ङ) होलिका तस्य भगिनी अस्ति।
(च) आम्रेषु कोकिला: कूजन्ति।

षोडशः पाठः

गङ्गा (Ganga)

हिन्दी अनुवाद

गङ्गा ..... कुर्वन्ति।

अनुवाद—गंगा भारत की सभी नदियों में सबसे पवित्र और श्रेष्ठ नदी है। यह हिमालय के गंगोत्री नामक स्थान से निकलती है। तब इसका स्रोत छोटा होता है। बाद में अनेक झरने इस नदी में मिलते हैं, जिनसे गंगा के जल का प्रवाह तेज होता है। पर्वतों के स्थानों से निकलकर गंगा हरिद्वार नामक स्थान में समतल भूभाग में प्रवेश करती है। वहाँ हरिद्वार तीर्थ में लाखों लोग आते हैं और गंगा के शीतल जल में स्नान करते हैं। वे अमृत के समान जल को पीकर सुख अनुभव करते हैं और अपने भाग्य की प्रशंसा करते हैं।

गङ्गाया: ..... गङ्गा।

अनुवाद—गंगा की उत्पत्ति के विषय में यह कथा प्रचलित है कि भगीरथ नाम के राजा ने अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए तपस्या की। तपस्या के प्रभाव से उन्होंने गंगा को स्वर्ग से भूतल (पृथ्वी) पर लाया। इसलिए गंगा को 'भागीरथी' भी कहते हैं।

गंगा के किनारे लक्ष्मणझूला, ऋषिकेश, हरिद्वार, प्रयाग और वाराणसी ये प्रधान तीर्थ स्थान हैं। यहाँ प्रतिदिन हजारों लोग श्रद्धा से स्नान करते हैं और गंगा को पूजते हैं।

गंगा के प्रवाह से निकली नहरें खेतों की सींचती हैं, जिनसे भूमि उर्वरा होकर बहुत मात्रा में अन्न पैदा करती है। यह पवित्र महानदी गंगा धन्य है।

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

उत्तर– (क) गङ्गाया: जले लक्षश: पुरुषा: स्नानं कुर्वन्ति।
(ख) गङ्गाया: तटे लक्ष्मणझूला, ऋषिकेश:, हरिद्वार:, प्रयाग:, वाराणसी एतानि तीर्थानि सन्ति।
(ग) गङ्गाया: निस्सृता: कुल्या: क्षेत्राणि सिञ्चन्ति। अस्या: जलेन भूमि उर्वरा भवति। अनेन कारणेन प्रभूतम् अन्नम् उत्पद्यते। अधिकांशा: नगरा: अस्या: तटे एव सन्ति। बहुषु कार्येषु अस्या: जलस्य प्रयोग: भवति। एव अस्या: भारताय लाभा: सन्ति।
(घ) भूतले गङ्गां भगीरथो नाम्न: नृप: आनयत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) भारतीया: जना: **गङ्गां** पूजयन्ति।
(ख) गङ्गा **भारतस्य सर्वासु नदीषु** पवित्रतमा नदी अस्ति।
(ग) धन्या एषा **पुण्या महानदी** गङ्गा।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) गङ्गा हिमालयस्य गंगोत्री नामकात् स्थानात् निस्सरति।
(ख) भगीरथ: गङ्गां भूतले आनयत्।
(ग) गङ्गा एका पवित्रा नदी अस्ति।
(घ) गङ्गाया: जले बहव: गुणा: सन्ति।

4. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

सप्तदशः पाठः

हिन्दी अनुवाद

आचार्य — हे छात्रो! आज विनम्रता के विषय में पढ़ाऊँगा।
रमेश — श्रीमान! विनम्रता क्या है?
आचार्य — मनुष्यों का आभूषण विनम्रता होती है।
मोहन — गुरुवर! विनम्रता किससे उत्पन्न होती है?
आचार्य — विनम्रता सदाचार से उत्पन्न होती है।
रमेश — सदाचार क्या होता है?
आचार्य — सज्जनों का आचार (आचरण) सदाचार होता है।
मोहन — गुरुवर! सज्जन क्या आचरण करते हैं?
आचार्य — सज्जन सत्य का आचरण करते हैं।
रमेश — श्रीमान! सत्य क्या होता है?
आचार्य — सत्य ही सबसे बड़ा धर्म है।
मोहन — गुरुवर! धर्म क्या होता है?
आचार्य — जिसने लोक में प्रचलित सत्य बातों को धारण किया हुआ है, वह धर्म होता है।
रमेश — श्रीमान्! सदाचार से कौन-कौन से गुण विकसित होते हैं?
आचार्य—सदाचार से धीरज, निपुणता, संयम, आत्मविश्वास, निडरता आदि गुण विकसित होते हैं।
मोहन — गुरुवर! विनम्रता से व्यक्ति कैसा होता है?
आचार्य—विनम्रता से व्यक्ति सभी लोगों का प्यारा होता है।
रमेश — श्रीमान्! धर्म से हीन कैसे होते हैं?
आचार्य — धर्म से हीन पशु के समान होते हैं?
मोहन — गुरुवर! और कौन-कौन से लोग पशु के समान होते हैं?
आचार्य — संगीत, साहित्य, कला से विहीन लोग पशु समान होते हैं।
रमेश — श्रीमान्! संगीत क्या होता है?
आचार्य — स्वरों का मेल संगीत मनोरंजन का साधन होता है, अच्छा।

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) विनय: सदाचारात् उद्भवति।
(ख) सत्य: परमो धर्म: भवति।
(ग) येन लोका: धृता: स: धर्म: भवति।
(घ) धर्मेणहीना पशुतुल्या: भवन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) **मनुष्याणां** आभूषण: विनय: भवति।
(ख) सज्जनानाम् आचार: **सदाचार:** भवति।
(ग) सर्वेषां **जनानां** प्रिय: भवति विनयेन।
(घ) अन्यं संगीत, साहित्य, कला **विहीना: जना:** पशुतुल्या: भवन्ति।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) संगीत: मनोरञ्जनस्य साधन: भवति।
(ख) विनयेन सदाचार: उद्भवति।
(ग) धर्मेण हीन: मनुष्य: पशुतुल्य: भवति।
(घ) सत्य: परमो धर्म: अस्ति।
(ङ) सज्जना: सदा सत्याचरणं कुर्वन्ति।

4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) विनम्रता मनुष्यों का आभूषण है।
(ख) सज्जन सत्य का आचरण करते हैं।
(ग) सत्य ही सबसे बड़ा धर्म है।
(घ) जो धर्म से हीन होते हैं, वे पशु समान हैं।
(ङ) मनोरंजन का साधन संगीत है।

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) विनय:—राहुल: अतीव **विनय:** बालक: अस्ति।
(ख) आभूषण:—हस्तस्य **आभूषण:** दानं भवति।
(ग) संगीत:—मनोरञ्जनस्य एक: साधन: **संगीत:** अपि अस्ति।
(घ) संयम—सदाचारेण **संयम:** इति गुणस्य विकास: भवति।
(ङ) सदाचार:—सज्जनानाम् आचार: **सदचार:** भवति।

उत्तर– (क) श्रद्धया—भारतीया: जना: गङ्गाया: जले **श्रद्धया** स्नानं कुर्वन्ति।
(ख) पीत्वा—जना: अस्या: जलं **पीत्वा** सुखम् अनुभवन्ति।
(ग) नि:सृत्य—गङ्गा नदी पर्वतात् **नि:सृत्य** हरिद्वारे समतले भूभागे प्रविशति।

विनय प्रश्नोत्तरम् (Modesty Quiz)

अष्टादशः पाठः

हिन्दी अनुवाद

ताराणां ..... भूषणम्।।

अनुवाद—तारों का गहना चंद्रमा, स्त्रियों का गहना उनका पति, पृथ्वी का गहना राजा है, किंतु विद्या सभी का गहना है।

विद्यामित्रं ..... मृतस्य च।।

अनुवाद—विदेश यात्राओं में विद्या मित्र है और घरों में पत्नी मित्र है। रोगी की मित्र दवा है और मरे हुए का मित्र धर्म है।

विदेशेषु ..... धनम्।।

अनुवाद—विदेशों में धन विद्या है, व्यसनों (बुरे कार्यों में) में बुद्धि धन है। परलोक में धन धर्म है, किंतु निश्चयपूर्वक सभी जगह धन शील (अच्छा आचरण) है।

अनभ्यासे ..... अपण्डितः।।

अनुवाद—अभ्यास न करने पर विद्या विष (जहर) के समान है, कब्ज होने पर भोजन विष के समान है। गरीब (विद्यारूपी धन से गरीब) के लिए सभी विष है, मूर्ख पुत्र भी विष के तुल्य है।

वृथा ..... तथा।।

अनुवाद—समुद्रों में वर्षा का होना बेकार है, पेट भरे हुए को भोजन करना अथवा कराना व्यर्थ है। धनी को दान देना व्यर्थ है, दिन में दीपक जलाना व्यर्थ है।

अमृतं ..... क्षीरभोजनम्।।

अनुवाद—शीत ऋतु में आग अमृत के समान है, किसी प्रिय (प्यारे) का दर्शन अमृत है। राज्य द्वारा प्राप्त सम्मान अमृत के समान है, दूध का खाना अथवा पीना भी अमृत है।

अभ्यासः

1. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) ताराणां भूषणं चन्द्रः **नारीणां भूषणं पतिः**।
(ख) भार्या मित्र **गृहेषु च**।
(ग) विदेशेषु **धनं** विद्या।
(घ) विषं पुत्रः **अपण्डितः**।
(ङ) वृथा दीपः **दिने** तथा।

एकोनविंशतिः पाठः

हिन्दी अनुवाद

विंशशतके ..... अभवत्।

अनुवाद—बीसवीं शताब्दी में एक आदर्श महिला हुईं। इनका नाम इंदिरा था। ये मोतीलाल नेहरू की पोती और

मधुराः श्लोकाः (Ethics : Slokas)

(च) अमृतं **शिशिरे** वह्निः।

2. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) नारीणां भूषणं तेषां पतिः अस्ति।
(ख) गृहे भार्या मित्रवत् अस्ति।
(ग) परलोके धर्मः एव धनमस्ति।
(घ) मूर्खः पुत्रः विषतुल्यः अस्ति।
(ङ) दुग्धपानं अमृतवत् अस्ति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) पृथ्वी का गहना राजा है।
(ख) और घरों में मित्र पत्नी है।
(ग) निश्चयपूर्वक अच्छा आचरण (शील) सभी जगह धन है।
(घ) अभ्यास न करने पर विद्या विष के समान है।
(ङ) परलोक में धर्म धन है।

4. निम्नलिखित शब्दों के द्विवचन तथा बहुवचन लिखिए–

उत्तर–

बालकाय	बालकाभ्याम्	बालकेभ्यः
नरस्य	**नरयोः**	**नराणाम्**
रमायाः	**रमयोः**	**रमानाम्**
फलम्	**फले**	**फलानि**
नरे	**नरयोः**	**नरेषु**
गृहम्	**गृहे**	**गृहाणि**
मनुष्येण	**मनुष्याभ्याम्**	**मनुष्यैः**

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– (क) भूषणम् = **गहना**
(ख) प्रवासे = **विदेश यात्राओं में**
(ग) मतिः = **बुद्धि**
(घ) शीलम् = **अच्छा आचरण**
(ङ) वृथा = **व्यर्थ**
(च) वह्निः = **आग**

इन्दिरा गान्धिः (Indira Gandhi)

जवाहरलाल नेहरू की पुत्री थीं। इनके पिता स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। इनकी माता का नाम कमला था। इंदिरा का विवाह फिरोज गांधी के साथ हुआ।

श्री लालबहादुरस्य ..... आसीत्।

अनुवाद—श्री लालबहादुर के बाद इन्होंने भारतवर्ष के प्रधानमंत्री पद को सुशोभित किया। देश की उन्नति के लिए बीससूत्री कार्यक्रम चलाया। इंदिरा भारतवर्ष की गौरव थीं। स्वतंत्रता के बाद भारतवर्ष ने संसार में बहुत बड़ा स्थान प्राप्त किया। यह इंदिरा का ही प्रभाव था।

1984 ख्रीष्टाब्दे ..... अत्यजत्।

अनुवाद—सन् 1984 में अक्टूबर महीने की 31 तारीख में इन्होंने शरीर को छोड़ दिया। इन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने खून की बूँदों का भी समर्पण किया। ये अपने कार्य-रूपी यज्ञ से आज भी जीवित है।

इनके पुत्र राजीव भी भारत के प्रधानमंत्री हुए। उन्होंने भी देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर दिया।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) सा मोतीलाल नेहरोः पुत्री आसीत्।
(ख) देशस्य उन्नत्यै सा विंशतिसूत्रीयं कार्यक्रमम् अचालयत्।
(ग) तस्याः पिता श्री जवाहरलाल नेहरूः आसीत्।
(घ) स्व कार्यरूपी यशसा एषाः अधुनापि जीवति।
(ङ) इन्दिा 1984 ख्रीष्टाब्दे अक्टूबर मासस्य 31 तारिकायां देहम् अत्यजत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) अस्याः मातुः नाम **कमला** आसीत्।
(ख) एषः **इन्दिरायाः** एव प्रभावः आसीत्।
(ग) तस्या आत्मजः **राजीवः अपि** भारतवर्षस्य प्रधानमन्त्री अभवत्।
(घ) **एषा स्वकार्यरूपी यशसा** अधुना अपि जीवति।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) इन्दिरा गान्धिः एका आदर्शा महिला आसीत्।
(ख) इन्दिरा जवाहरलाल नेहरोः पुत्री आसीत्।
(ग) राजीवः इन्दिरा गान्धेः पुत्रः आसीत्।
(घ) इन्दिरया देशाय प्राणानपि अत्यजत्।
(ङ) राजीव गान्धिः अपि भारतवर्षस्य प्रधानमन्त्री अभवत्।

4. निम्नलिखित क्रियापदों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) देवः स्व सर्वान् दुर्गुणान् **अत्यजत्।**
(ख) इन्दिरा गान्धिः एका आदर्शा महिला **आसीत्।**
(ग) स्वामी विवेकानन्दः रामकृष्ण मिशन संस्थाम् **अचालयत्।**
(घ) पुरा अयोध्यां रघुनाम्नो राजा **अभवत्।**
(ङ) इन्दिरा गान्धिः स्व कार्यरूपी यशसा अधुनापि जीविता **अस्ति।**

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) इंदिरा गाधी एक आदर्श महिला थीं।
(ख) इनका विवाह फिरोज गांधी के साथ हुआ।
(ग) इन्होंने देश की रक्षा के लिए अपने खून की बूँदों को भी समर्पित कर दिया।
(घ) इन्दिरा गांधी अपने कार्य रूपी यश से आज भी जीती हैं।

6. भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री पर संस्कृत में पाँच वाक्य लिखिए–

उत्तर– (क) अस्माकं देशस्य वर्तमान प्रधानमन्त्री डॉ० मनमोहन सिंहः अस्ति।
(ख) अस्य महाभागस्य जन्म पंजाब प्रान्ते 26 सितंबर, 1932 ख्रीष्टाब्दे अभवत्।
(ग) एषः एकः कुशलः राजनेता, विदुषः, अर्थशास्त्री विचारकः च अस्ति।
(घ) स्व कुशल सत्य स्वरूप छवेः कारणने च अस्य राजनैतिक दलेषु बहु सम्मानम् अस्ति।
(ङ) 1982 ख्रीष्टाब्दानन्तरं सऊदी अरब देशस्य यात्रायाः कारणेन एषः यात्राकर्त्ता प्रथमः प्रधानमन्त्री अभवत्।

विंशतिः पाठः

देशभक्तिः (Patriotism)

हिन्दी अनुवाद

केनापि ..... लभामहे।

अनुवाद—किसी ने कहा है—"माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ हैं।"

माता पुत्र को पैदा करती है और कष्टपूर्वक उसका पालन करती है। बालक माता की गोद को प्राप्त करके स्वर्ग से भी अधिक सुख महसूस करता है। किंतु जन्मभूमि हमारी मातृभूमि है। मातृभूमि हमें नाना प्रकार के अन्न और फल देती है। हम मातृभूमि के जलस्रोतों से जल पीते हैं। भूमि की मिट्टी से यहाँ भवन बनाते है। नाना प्रकार की धातुओं और रत्नों को पृथ्वी से ही प्राप्त करते हैं।

इत्थं ..... भवेत्।

अनुवाद—इस प्रकार जो मातृभूमि बहुत प्रकार के द्रव्यों से हमें उपकृत (उपकार) करती है, उसके लिए हमारा भी कर्त्तव्य है कि हम शरीर से, मन से, वाणी से और धन से अपनी मातृभूमि की उन्नति करें। इस देश के लिए हमारे देशवासियों के हृदय में प्रेम हो।

यदि कदाचित् ..... शक्नुमः।

अनुवाद—यदि कोई देश कभी हमारे देश के ऊपर आक्रमण करे, तब हमारा कर्त्तव्य है कि हम प्राण देकर भी अपने देश की और आजादी की रक्षा करें। यही देशभक्ति है जिससे प्रेरित होकर हम अपने देश के प्रति अपने कर्तव्य को पूरा करते हुए मातृभूमि के ऋण से मुक्त हो सकते हैं।

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) मातृभूमिः अस्मभ्यं नानाविधानि अन्नानि फलानि च यच्छति।

(ख) वयं मातृभूमेः स्रोतेभ्यः जलं पिबामः।

(ग) अस्माकं देशवासिनां हृदयेषु स्व देशाय प्रेमः भवेत्।

(घ) देशभक्त्या प्रेरिताः वयं स्वकर्त्तव्यं पूरयन्तः मातृभूमेः ऋणात् मुक्ताः भवितुं शक्नुमः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) जन्मभूमिः अस्माकं **मातृभूमिः** वर्तते।

(ख) नानाविधान् धातून् रत्नानि च पृथिव्याः एव **लभामहे।**

(ग) मातृभूमिः बहुविधैः **द्रव्यैः** अस्मान् उपकरोति।

(घ) स्वदेशस्य **स्वतन्त्रतायाश्च** रक्षां कुर्याम।

(ङ) मातृभूमेः ऋणात् मुक्ताः भवितुं **शक्नुमः।**

3. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) माता पुत्र को पैदा करती है और कष्टपूर्वक उसका पालन करती है।

(ख) मातृभूमि की मिट्टी से भवन बनाते हैं।

(ग) मातृभूमि नाना प्रकार के द्रव्यों से हमें उपकृत (उपकार) करती है।

(घ) हम मातृभूमि के स्रोतों से जल पीते हैं।

(ङ) माता को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ मानते हैं।

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) बालकः मातुः अङ्कं प्राप्य सुख अनुभवति।

(ख) मातृभूमिः अस्मभ्यं नानाविधानि अन्नानि फलानि च यच्छति।

(ग) इत्थं मातृभूमिः अनेकैः द्रव्यैः अस्मान् उपकरोति।

(घ) वयं प्राणपणेनापि स्वदेशस्य स्वतन्त्रायाः रक्षां कुर्याम।

5. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य रचना कीजिए–

उत्तर– (क) कष्टेन—माता अस्मान् **कष्टेन** पालयति।

(ख) अस्मभ्यम्—मातृभूमिः **अस्मभ्यम्** बहूनि उपयोगि वस्तूनि यच्छति।

(ग) मृत्तिकया—वयं मातृभूमेः **मृत्तिकया** भवनानि रचयामः।

(घ) धातून्—पृथिव्याः गर्भात् वयं नानाविधान् **धातून्** प्राप्नुमः।

(ङ) ऋणात्—स्वकर्त्तव्यं पूरयन्तः वयं मातृभूमेः **ऋणात्** मुक्ताः भवितुं शक्नुमः।

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) स्वर्गः = **नरकः**

(ख) उन्नतिम् = **अवनतिम्**

(ग) मातृ = **पितृ**

(घ) जननी = **पिता**

(ङ) कष्टम् = **सुखम्**

(च) श्रेष्ठः = **निकृष्टः**

एकविंशतिः पाठः

वैज्ञानिकोपकरणानि (Scientific Appliances)

हिन्दी अनुवाद

आधुनिकः युगः ..... प्रसारिताः भवन्ति।

अनुवाद—आधुनिक युग आविष्कारों का युग है। हमारे घर में भी विज्ञान द्वारा बने बहुत-से यंत्र है।

यह रेफ्रिजरेटर है। इसमें रखी वस्तुएँ ठंडी होती हैं। आज घर-घर में इसका उपयोग होता है।

यह रेडियो है। यह संसार (लोगों) में आकाशवाणी शब्द से जानी जाती है। इस यंत्र की सहायता से हम समाचार, भाषण, बातचीत और गीत सुनते हैं। इसके द्वारा शैक्षिक कार्यक्रम, जिलों और देश-विदेशों की बातचीत भी प्रसारित होती हैं।

एतत् ..... यन्त्रमस्ति।

अनुवाद—यह दूरदर्शन (टी० वी०) है। यह अति आधुनिक संपर्क साधन है। दूरदर्शन में हम विविध कार्यक्रमों को देखते हैं और सुनते हैं।

यह वायुयान (हवाई जहाज) है। यह तेज गति से आकाश में उड़ता है। इसके द्वारा लोग आकाश-मार्ग से कुछ समय में ही दूर वाले स्थान अथवा विदेश को जाने में सफल होते हैं।

यह कंप्यूटर है। इससे सभी क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ। आज शिक्षा क्षेत्र में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए संस्कृत भाषा बहुत उपयोगी है।

यह मोबाइल है। इस यंत्र के द्वारा लोग दूर रहने वाले लोगों के साथ बातचीत करने में समर्थ होते हैं। यह आपस में बातचीत और आदान-प्रदान के लिए उपयोगी यंत्र है।

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तर– (क) जना: आकाशवाण्या वृत्तानि, भाषणानि, वार्ता: गीतानि च शृण्वन्ति।

(ख) दूरभाषेण वयं दूरस्थै: जनै: सह वार्त्तालापं कुर्म:।

(ग) फ्रीजयन्त्रे स्थापितानि वस्तूनि शीतलानि भवन्ति संरक्षन्ति च।

(घ) वायुयानं आकाशमार्गेण गच्छति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– (क) अस्मिन् स्थापितानि वस्तूनि **शीतलानि** भवन्ति।

(ख) दूरदर्शनं **अति आधुनिकं** सम्पर्क साधनमस्ति।

(ग) अद्य **शिक्षाक्षेत्रे** अपि अस्य महती भूमिका अस्ति।

(घ) एतत् **चलन्त:** दूरभाष **यन्त्रम्** अस्ति।

3. संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) आधुनिक: युग: विज्ञानस्य युग: अस्ति।

(ख) अद्य गृहे-गृहे अस्य उपयोग: अस्ति।

(ग) अनेका: शैक्षिका: कार्यक्रमा: अनेन प्रसारिता: भवन्ति।

(घ) एतत् आकाशे द्रुतगत्या उड्डयते।

4. हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तर– (क) यह दूरदर्शन (टी० वी०) है।

(ख) यह तेज गति से आकाश में उड़ता है।

(ग) इस समय इसकी बहुत-से क्षेत्रों में आवश्यकता होती है।

(घ) इससे सभी क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ।

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए और संस्कृत में वाक्य बनाइए–

उत्तर–(क) कम्प्यूटर यन्त्रम् = **कंप्यूटर**

वाक्य– वर्तमाने **कंप्यूटर यन्त्रस्य** बहु उपयोग: भवति।

(ख) वायुयानम् = **हवाई जहाज**

वाक्य– वायुयानं द्रुतगत्या उड्डयते।

(ग) दूरदर्शनम् = **टेलीविजन**

वाक्य– दूरदर्शनम् मनोरञ्जनस्य महत्त्वपूर्णं साधनमस्ति।

(घ) दूरभाषम् = **टेलीफोन, मोबाइल**

वाक्य– दूरस्थै: जनै: सह वार्ता करणस्य उपयोगी साधनमस्ति **दूरभाषम्**।

(ङ) रेडियोयन्त्रम् = **रेडियो**

वाक्य– रेडियोयन्त्रम् आकाशवाणी इत्यापि कथ्यते।